Summer Fields School

KAILASH COLONY, NEW DELHI-110048

- शैक्षिक सत्र 2021-2022
- कक्षा- चौथी
- विषय- हिंदी
- चक्र- 10 , पी पी टी- 1

15. डरना कभी न जाना

यह कविता बताती है कि छोटे होने पर भी हम किसी मुश्किल में घबराते नहीं। उसका डटकर मुकाबला करते हैं। नतीजा क्या होता है, यह तो पढ़कर ही पता चलेगा।

हमने डरना कभी न जाना, आँधी से, तूफ़ान से
देखो, हम बढ़ते जाते हैं, कैसे अपनी शान से

काँटे आते, उन्हें हटाते, तुरंत बनाते राह
बड़े-बड़े रोड़ों की भी, करते न कभी परवाह

सिर अपना ऊँचा रखते हैं, हरदम हम अभिमान से
हमने डरना कभी न जाना, आँधी से, तूफ़ान से।

दिन में राह बताता सूरज, फिर जब आती रात
चाँद चाँदनी बिखराता है, करता हमसे बात

हम ऐसे बढ़ते जाते हैं, राह देखते ध्यान से
हमने डरना कभी न जाना, आँधी से, तूफ़ान से

मंज़िल पर ही रुकना हमको, हो कितनी भी दूर
लंबी राह नहीं कर सकती, हमें कभी मजबूर

हमको अपनी मंज़िल प्यारी, ज़्यादा अपनी जान से
हमने डरना कभी न जाना, आँधी से, तूफ़ान से।

— *श्रीप्रसाद*

निम्नलिखित कार्य का अपनी कार्य पुस्तिका में लिखित अभ्यास कीजिए:-

शब्द-अर्थ

रोड़े	—	कंकड़, छोटे पत्थर
अभिमान	—	गर्व
मंज़िल	—	लक्ष्य, रुकने का स्थान

मजबूर	—	बेबस, लाचार
जान	—	प्राण, जीवन

निम्नलिखित कार्य का अपनी कार्य पुस्तिका में लिखित अभ्यास कीजिए:-

कठिन शब्द:-

रोड़े-

अभिमान-

मंज़िल-

मजबूर-

ऊँचा-

बिखरता-

काँटे-

आँधी-

तूफ़ान-

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए-

रोड़े- _____

अभिमान- _____

मंज़िल- _____

मजबूर- _____

जान- _____

निम्नलिखित कार्य का अपनी कार्य पुस्तिका में लिखित अभ्यास कीजिए:-

1. इन प्रश्नों के उत्तर दो—

✳ **मौखिक**

क. इस कविता में कौन किससे नहीं डरता?

ख. हम कहाँ पर रुकेंगे?

ग. कविता कंठस्थ करो और कक्षा में गाओ।

✳ **लिखित**

क. दिन में कौन सही रास्ता दिखाता है? .....

ख. बच्चे कहाँ रुकने की बात कह रहे हैं? .....

2. कौन, किसके लिए—

आँधी-तूफ़ान	बेबस
मजबूर	मुश्किलें
रोड़े	लक्ष्य
मंज़िल	रुकावटें

Skills /Learning

- **Word Power**
- **Comprehension**
  - oral and written
  - recall
  - understanding the poem
  - deriving message
- **Value**
  - लक्ष्य-निर्धारण
  - मुसीबतों का मुकाबला करना
- **Multiple Intelligence**
  - Musical

3. इस कविता का संदेश क्या है—सही उत्तर चुनकर ✓ लगाओ—

- ☐ बड़ों का सम्मान करना
- ☐ प्रकृति से प्रेम करना
- ☐ मुश्किलों का डटकर सामना करना
- ☐ सच का सामना करना

उत्तरमाला-

1. इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दो—

*** मौखिक**

क. इस कविता में कौन किससे नहीं डरता ?

उ. बच्चे, रुकावटों से

ख. हम कहाँ पर रुकेंगे ?

उ. मंज़िल पर

*** लिखित**

क. दिन में कौन सही रास्ता दिखाता है ?	सूरज
ख. बच्चे कहाँ रुकने की बात कह रहे हैं ?	मंज़िल पर

2. कौन, किसके लिए —

आँधी-तूफ़ान – रुकावटें; **मजबूर** – बेबस; **रोड़े** – मुश्किलें; **मंज़िल** – लक्ष्य

3. इस कविता का संदेश क्या है — सही उत्तर चुनकर ✓ लगाओ—

☐ बड़ों का सम्मान करना	☐ प्रकृति से प्रेम करना
☑ मुश्किलों का डटकर सामना करना	☐ सच का सामना करना

धन्यवाद
THANK YOU